Paper Code – 190203 Your Roll No……...

MA / II Sem.

SANSKRIT – Paper 203

**( साहित्य : मेघदूत एवं उत्तररामचरित )**

Time : 3 hours Maximum Marks : 70

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र के उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा मे ंदीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :- Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।**

**(Attempt all questions)**

भाग क (Section – 1)

अन्विति–1, 2(Unit – 1, 2)

1 निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 6 x 2 = 12

Explain the following:

i) तस्य स्थित्वा कथमपि पुरः कौतुकाधानहेतो-
रन्तर्वाष्पश्चिरमनुचरो राजराजस्य दध्यौ।
मेघालोके भवति सुखिनोऽप्यन्यथावृत्ति चेतः
कण्ठाश्लेषप्रणयिनि जने किं पुनर्दूरसंस्थे ॥

**अथवा/ or**

वक्रः पन्था यदपि भवतः प्रस्थितस्योत्तराशां
सौधोत्सङ्गप्रणयविमुखो मा स्म भूरुज्जयिन्याः ।
विद्युद्दामस्फुरितचकितैस्तत्र पौराङ्गनानाम्
लोलापाङ्गैर्यदि न रमसे लोचनैर्वञ्चितोऽसि ।।

ii) आनन्दोत्थं नयनसलिलं यत्र नान्यैर्निमित्तै–
र्नान्यस्तापः कुसुमशरजादिष्टसंयोगसाध्यात् ।
नाप्यन्यस्मात्प्रणयकलहाद्विप्रयोगोपपत्ति–
र्वित्तेशानां न च खलु वयो यौवनादन्यदस्ति ।।

**अथवा/ or**

आलोके ते निपतति पुरा सा बलिव्याकुला वा
मत्सादृश्यं विरहतनु वा भावगम्यं लिखन्ती।
पृच्छन्ती वा मधुरवचनां सारिकां पञ्जरस्थां
कच्चिद्भर्तुः स्मरसि रसिके त्वं हि तस्य प्रियेति ॥

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

Write a short notes on any **one** the following:

i) मेघदूत का मूल–स्रोत

ii) यक्ष-सन्देश ( message of Yaksha)

3. मेघदूत के आधार पर रसव्यञ्जना में प्रकृति के उपयोग पर एक लेख लिखिए। 10
With Meghadutta as an illustration write an essay on the use of nature in suggestions of Rasa.

**अथवा/ or**

कालिदास की अलकापुरी– वर्णन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए ।
Analyze the kalidasa´s depiction of Alkapuri with the support of illustrations.

**भाग ख (Section – 2) अन्विति–1,2 (Unit – 1, 2)**

4. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 6 x 2 = 12
Explain the following:

(i) सर्वथा व्यवहर्तव्यं कुतो ह्यवचनीयता।
यथा स्त्रीणां तथा वाचां साधुत्वे दुर्जनो जनः॥

**अथवा/ or**

यथेच्छाभोग्यं वो वनमिदमयं मे सुदिवसः
सतां सद्भिः सङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति।
तरुच्छाया तोयं यदपि तपसां योग्यमशनं
फलं वा मूलं वा तदपि न पराधीनमिह वः॥

(ii) व्यतिकर इव भीमस्तामसो वैद्युतश्च
प्रणिहितमपि चक्षुर्ग्रस्तमुक्तं हिनस्ति।
अथ लिखितमिवैतत्सैन्यमस्पन्दमास्ते
नियतमजितवीर्यं जृम्भते जृम्भकास्त्रम्॥

**अथवा/ or**

त्रातुं लोकानिव परिणतः कायवानस्त्रवेदः
क्षात्रो धर्मः श्रित इव तनुं ब्रह्मकोशस्य गुप्त्यै ।
सामर्थ्यानामिव समुदयः संचयो वा गुणाना–
मविर्भूय स्थित इव जगत्पुण्यनिर्माणराशिः ॥

5. उत्तररामचरित के अनुसार निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए 6 x 2 = 12
Write short notes according to UttararÁmacarita on any **two** of the following :

i) सत्सङ्गजानि निधनान्यपि तारयन्ति ।
ii) किमस्या न प्रेयो यदि परमसह्यस्तु विरहः ।
iii) उत्तररामचरित में वर्णित देवता एवं उनके कार्य (The deities depicted and their deeds.)
iv) दुर्जनोऽसुखमुत्पादयति ।

6. "उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते" । इस सूक्ति के औचित्य की परीक्षा कीजिए। 10
Critically examine the justification of "उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते"

**अथवा / or**

उत्तररामचरित के आधार पर सीता के चरित्र की समालोचना कीजिए।
Critically analyze Sita as Characterised in Uttararamacarita.

7. **प्रश्न संख्या 2 अथवा 5** में से अनुत्तरित किसी **एक** विषय पर **संस्कृत** में टिप्पणी लिखिए। 7
Write a short note in **Sanskrit** on any **one** of the unattempted questions on **2 or 5**.